सिटी लाइव

ध्रुपद को मिले पहचान

गायिका अमीन ने बताया कि जिस समय उन्होंने ध्रुपद की दुनिया में कदम रखा था तब इसके श्रोता बेहद कम होते थे। ध्रुपद फेस्टिवल जैसे मंच लोगों में ध्रुपद के ज्ञान में वृद्धि करने में सहायक साबित होंगे।

महानगर संवाददाता

जयपुर। जेकेके में 14 से 16 सितम्बर तक आयोजित किए जाने वाले तीन दिवसीय हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम ध्रुपद से कला और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। इसको लेकर मंगलवार को जेकेके में कलाकार सुनीता अवनी अमीन और अश्विन एम दल्वी ने इसे लेकर बातचीत की।

गायिका अमीन ने बताया कि जिस समय उन्होंने ध्रुपद की दुनिया में कदम रखा था तब इसके श्रोता बेहद कम होते थे। ध्रुपद फेस्टिवल जैसे मंच लोगों में ध्रुवद के ज्ञान में वृद्धि करने में सहायक साबित होंगे। शास्त्रीय कलाओं को सीखने वाली युवा पीढ़ी के बारे में अमीन ने बताया कि वे प्रसिद्धि के लिए अधीर हैं लेकिन कड़ी मेहनत नहीं कर रहे हैं, जबकि प्रसिद्ध कलाकार बनने में समय लगता है।

उन्होंने स्कूलों में क्लासिकल आर्ट्स की कक्षाएं शुरू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सुरबहार वादक, डॉ. अश्विन एम. दल्वी ने तार वाले इस वाद्ययंत्र के इतिहास के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि भले ही सुरबहार सितार के समान दिखता है, लेकिन इसके वादन की पद्धति सितार से अलग है। देश में सुरबहार के अधिक लोकप्रिय नहीं होने के कारणों पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि यह वाद्ययंत्र काफी भारी होता है इसे कार्यक्रम स्थल तक ले जाना कठिन होता है। उन्होंने बताया कि सुरबहार वादन सीखने वाले विद्यार्थी भी बहुत अधिक नहीं हैं। दल्वी ने कहा कि कला व संस्कृति को बढ़ावा देना निश्चित रूप से सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

इस अवसर पर जेकेके की अतिरिक्त महानिदेशक (तकनीक), अनुराधा सिंह ने बताया कि गत वर्ष ध्रुपद को मिली अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए इस वर्ष के ध्रुवद फेस्टिवल में संगोष्ठी के रूप में एक नई विशेषता शामिल की गई है, जिसमें ध्रुपद से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

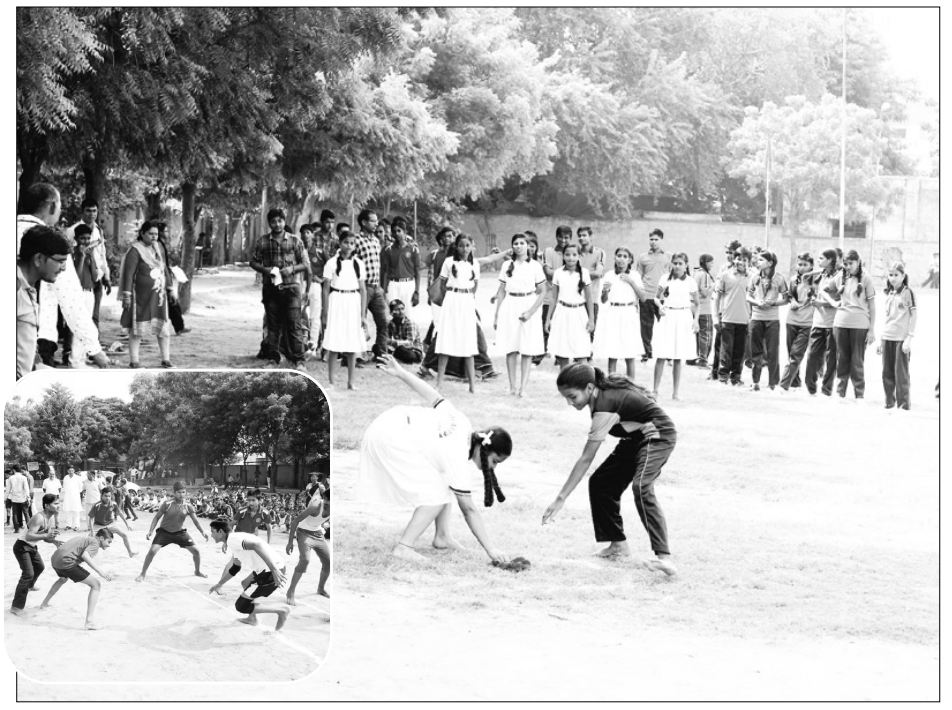

भारतीय परंपरागत खेल-कूद प्रतियोगिताएं

महानगर संवाददाता

जयपुर। हिंदू स्प्रिचुअल एंड सर्विस फाउंडेशन के जयपुर चेप्टर एवं नैतिक एवं सांस्कृतिक प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले का जयपुर में लगातार तीसरा आयोजन किया जा रहा है। इन खेल-कूद प्रतियोगिताओं में खो-खो, सितोलिया, रूमाल झपट्टा, रस्सा-कस्सी, कबड्डी इत्यादि भारतीय परंपरागत खेलों का आयोजन होगा। सांगानेर स्टेडियम में मंगलवार से 14 सितम्बर को आयोजित की जाएंगी। सांगानेर जोन को 5 संकुलों में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक संकुल से 10 विद्यालय भाग लेंगे।

इस श्रृंखला में मंगलवार को प्रात: 8 बजे से सांगानेर स्टेडियम में संकुल 1 की भारतीय परंपरागत खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित की गईं। जिसमें 350 विद्यार्थियों ने भाग लिया। संकुल प्रमुख दिलीप कुमार द्विवेदी और सह प्रमुख हरीप्रसाद छीपा ने कार्यक्रम के संचालन में सहयोग किया। इसमें मुख्य अतिथि पार्षद नवरतन नराणिया रहे। कार्यक्रम का संचालन सांगानेर जोनप्रभारी प्रमोद दुबे ने किया। प्रतियोगिता में विजेता रहे छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

विद्यार्थियों ने सीखी बैम्बू स्प्लिटिंग कला

महानगर संवाददाता

जयपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन (आईआईसीडी) में चल रही बैम्बू वर्कशॉप में मंगलवार को करीब 20 विद्यार्थियों ने बैम्बू स्प्लिटिंग की कला सीखी। यह दस दिवसीय कार्यशाला गाजियाबाद के प्रोजेक्ट बीजा की सहभागिता में अगरतला की बीनू के साथ आयोजित की जा रही है। इस प्रोजेक्ट का दूसरा दिन था जो कि नाइन डॉट स्क्वायर द जयपुर डिजाइन शो के दूसरे संस्करण की एक कड़ी के रूप में आयोजित किया जा रहा है। नाइन डॉट स्क्वायर की सह-संस्थापिका, रितु खंडेलवाल ने कहा नाइन डॉट स्क्वायर राजस्थान में सस्टेनेबल सामग्री के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि हम राजस्थान में पाए जाने वाले बांसों का दक्षतापूर्वक निर्माण कार्यों में उपयोग कर रहे हैं लेकिन शिल्पकला में इसका उपयोग कम देखने को मिलता है। बैम्बू स्प्लिटिंग यानी बांस की चिराई की तकनीक दिवंगत एमपी रंजन ने विकसित की थी। कार्यशाला में प्रतिभागियों को बांस को चीर कर पट्टी बनाने का प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला के अंत में प्रत्येक स्टूडेंटस ने 50 पट्टियां बनाई। इस कार्यशाला में भाग ले रहे आईआईसीडी, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन (आईएनआईएफडी), जयपुर के साथ-साथ आयोजन स्कूल ऑफ अर्किटेक्चर के प्रतिभागी भी शामिल हैं।

वर्कशॉप आयोजित

महानगर संवाददाता

जयपुर। जिन महिलाओं की अपने व्यवसाय शुरू करने में रुचि है लेकिन सही मार्गदर्शन ना मिलने से वे अपने लक्ष्य की ओर नहीं बढ़ पातीं, उन सभी को एंटरप्रिन्योर बनने के सही मार्गदर्शन से परिचित करवाने के उद्देश्य से चार दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कांफैडरेशन ऑफ वीमेन एंटरप्रिन्योर ऑफ इंडिया (कोवि) और कमला पोद्दार ग्रुप ने मंगलवार को मंगलवार को बनीपार्क स्थित कमला पोद्दार इंस्टिट्यूट के कैंपस में कोवि के चार दिवसीय वर्कशॉप का समापन किया।

9 सितम्बर से चल रही इस वर्कशॉप में एंटरप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आई क्रिएट राजस्थान की

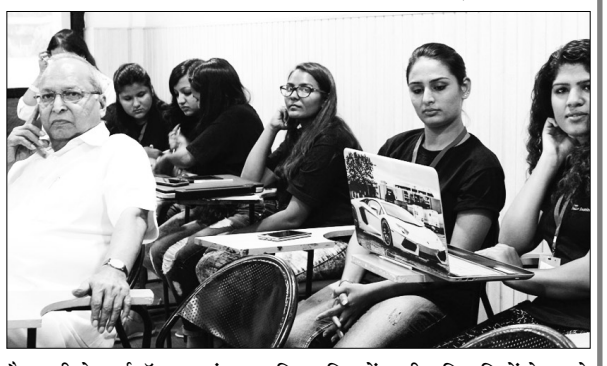

फैकल्टी ने वर्कशॉप का संचालन किया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने अपने बिजनेस प्लान का प्रेजेंटेशन दिया जिसे जज करने के लिए एमएसएमई, एनएसआईसी और आईसीआईसीआई बैंक के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सेशन के दौरान सभी को पर्सनल स्किल्स, आईडिया जनरेशन, नेटवर्किंग, मार्केट रिसर्च और लीगल आस्पेक्ट्स की खास जानकारी दी गई। कोवी की जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन निधि तोषनीवाल ने बताया कि इस चार दिवसीय सेशन का मकसद सिर्फ महिलाओं को अपने भीतर छुपे एंटरप्रिन्योर स्किल्स को उभार कर उन्हें सही राह देनी है जिससे वो भी दुनिया के लिए मिसाल बन सकें। इस दौरान कमला पोद्दार इंस्टिट्यूट की चेयरपर्सन कमला पोद्दार ने अपनी एक सफल एंटरप्रिन्योर के रूप में उभरने की यात्रा सभी के साथ साझा की।

मंथन का हुआ आयोजन

महानगर संवाददाता

जयपुर। मानसरोवर स्थित इंटरनेशनल स्कूल ऑफ इंफॉरमेटिक्स एंड मैनेजमेंट, टेक्निकल कैम्पस के ई-इग्नाइटर्स सेल ने मंगलवार को मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में रानू श्रीवास्तव, चेयरपर्सन, ऑल इंडिया लेडीज लीग, जयपुर चैप्टर, बेला बधालिया, डायरेक्टर एंड कंसलटेंट, अद्भुत इंटिरियरर्स प्रा. लिमिटेड और शिप्रा भूटानी, डायरेक्टर, क्वांटम करियर एकेडमी ने शिरकत की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आईआईआईएम के विद्यार्थियों को महिला उद्यमिता के बारे में अवगत कराना था। कार्यक्रम की वक्ताओं ने अपने उद्यमिता के अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए और इस क्षेत्र की चुनौतियों व उनका समाधान विद्यार्थियों को बताया।

राजस्थान की समस्याओं को दिखाएगी कबड्डी

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थानी फिल्मों के हालात लगातार बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में कई फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों ने राजस्थानी फिल्मों के निर्माण से हाथ खींच लिए हैं। वहीं यदि फिल्म का निर्माण हो भी जाता है तो क्षेत्रीय फिल्मों को दर्शक नसीब नहीं होते। ऐसे में फिल्म से मुनाफा मिलना तो दूर बजट का पैसा भी निकालना मुश्किल हो जाता है। इसी कड़ी में एक और राजस्थानी फिल्म कबड्डी रिलीज होने को तैयार है। देखना यह है कि यह फिल्म अपने कांसेप्ट के जरिए कितनी कमाई कर पाती है। फिल्म का निर्देशन हरिओम शर्मा ने किया है, जिन्होंने बताया कि फिल्म को लेकर मैंने अच्छी तैयारी की है। इसमें सिर्फ और सिर्फ राजस्थान पर फोकस किया गया है। जहां फिल्म में एक महिला सरपंच के यहां बेटी का जन्म होता है। जिसके बाद उसे किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, कबड्डी का तड़का भी है जो फिल्म की जान है। फिल्म में यह मैसेज भी दिया गया है कि इंटरनेट और अन्य इंडोर गेम्स से बाहर निकल कर अब युवाओं को खेल के मैदान में उतरना चाहिए।

ऐसे में फिल्म से मुनाफा मिलना तो दूर बजट का पैसा भी निकालना मुश्किल हो जाता है। इसी कड़ी में एक और राजस्थानी फिल्म कबड्डी रिलीज होने को तैयार है।

यह फिल्म समाज में भ्रूण लिंग परीक्षण एवं लड़कियों के प्रति जन्म से ही भेदभाव किए जाने का विरोध करेगी। यह फिल्म बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं लड़कियों को खेल एवं शिक्षा में समान अवसर दिए जाने का समर्थन भी करती है। फिल्म की शूटिंग जयपुर एवं आसपास के स्थानों पर हुई है। मूवी कबड्डी अक्टूबर माह में रिलीज होगी। शर्मा ने बताया कि इस फिल्म का प्रमोशन 10 अगस्त को धौलपुर से शुरू हुआ। धौलपुर के लोगों ने इसका स्वागत किया। यह फिल्म हिंदुस्तान के खेल कबड्डी के प्रति समाज में जागरूकता एवं लगाव पैदा करेगी। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया और युवाओं में बहुत उत्सुकता है। फिल्म के डायरेक्टर एस.पी. निंबावत हैं। फिल्म के मुख्य कलाकार डाइना खान, अविनाश रहेजा, उर्मिला शर्मा, जितेन मुखी, श्रावणी गोस्वामी, आदिल शर्मा एवं रजा मुराद हैं।